दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

6–7 अक्टूबर, 2023

हिंदी विभाग

"हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम"

आयोजन सचिव

डॉ. नीता त्रिवेदी

सहायक आचार्य

हिंदी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

सम्पर्क सूत्र

E-mail: rashtriyasangosthi2023@gmail.com

Mobile : 9950960999

पंजीयन लिंक : https://forms.gle/Q3eggL3XcXacZW2h9

''हिन्दी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम''

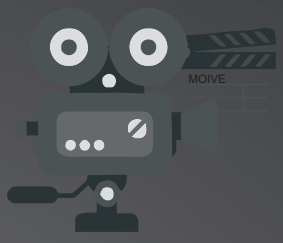

हिन्दी साहित्य और समाज पर सिनेमा तथा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यमों-यथा- OTT प्लेटफार्म, टी. वी. धारावाहिक, विज्ञापन, वेबसीरीज, पत्रकारिता, प्रिंट मीडिया, शॉर्ट मूवीज, क्षेत्रीय सिनेमा आदि का प्रभाव सहज दृष्टव्य है। सिनेमा तथा अन्य माध्यम भी समाज और साहित्य से प्रेरणा और विषय वस्तु ग्रहण करते हैं। सिनेमा बहुत समय से समाज के प्रायः सभी वर्गों एवं सभी उम्र के दर्शकों के मनो मस्तिष्क पर अपनी छाप छोड़ रहा है। खासकर युवावर्ग सदियों से सिनेमा से प्रेरित और प्रभावित होता रहा है। सिनेमा का प्रभाव युवा पीढ़ी के सपनों से लेकर जीवन के कई क्रिया-कलापों पर प्रत्यक्ष-परोक्ष दोनों ही रूपों में झलकता है। उनके सपनों की दुनिया में सिनेमा का रंग-बिरंगा संसार सदैव यथार्थ के समानांतर चलता है। सिनेमा, समाज और खासकर युवा पीढ़ी की सोच की दिशा में परिवर्तन करने की क्षमता रखता है। यह परिवर्तन सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही रूपों में परिलक्षित हो सकता है अतः साहित्य एवं समाज की महती भूमिका बन जाती है।

21 वीं सदी में सिनेमा, समाचार पत्रों और टी.वी. के जादू पर कई अन्य माध्यमों यथा वेब सीरीज OTT प्लेटफार्म आदि ने अपनी सशक्तउपस्थिति दर्शकों के मनोमस्तिष्क पर दर्ज करायी है। इन सभी माध्यमों ने प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रतिभाओं के लिए कई अवसर भी खोल दिए हैं। इन्हीं अवसरों को देखते हुए छात्रों की प्रतिभाओं के उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण हेतु शिक्षण संस्थाओं में साहित्य और सिनेमा, पटकथा तथा संवाद लेखन, पत्रकारिता जैसे विषय पाठ्यक्रमों में रखे गए हैं। इसके अंतर्गत छात्रों को कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी, हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास, सिनेमा में कैमरे की भूमिका तथा नयी तकनीकी और सिनेमा में संभावनाएँ और चुनौतियाँ आदि विषय पर अनुसंधात्मक ज्ञान दिया जाता है। जिससे विद्यार्थी समुदाय अपने अनुशासनात्मक ज्ञान का गहन अध्ययन करने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने और उत्कृष्टता के साथ-साथ सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित कर सके।

सिनेमा अपने आपमें कई विधाओं का सम्मिलित रूप है। इसमें गीत संगीत, पटकथा लेखन, निर्देशन, कैमरा, मेकअप, ड्रेसअप, छायांकन (सिनेमेटोग्राफी), संपादन, ध्वनि रिकार्डिंग और ध्वनि डिजाइन, कला निर्देशन और उत्पादन डिजाइन (प्रोडक्शन डिजाइन) स्क्रीन अभिनय, स्कीन राइटिंग (फिल्म, टीवी और वेबसीरीज) विज्ञापन, मार्केटिंग आदि का महत्त्वपूर्ण स्थान है।

विद्यार्थियों को इन सभी आयामों का ज्ञान लाभ हो इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा इन विषयों पर शोध भी कराया जाता है किन्तु हमारा मंतव्य इन विषयों पर केवल सैद्धान्तिक ज्ञान देना ही नहीं है वरन् इन विषयों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण से विचार-विमर्श करना भी है जिससे विद्यार्थी इन विषयों पर गहराई से मंथन, चिंतन मनन कर सकें। इस हेतु हिंदी विभाग दिनांक 6-7 अक्टूबर 2023 को हिन्दी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने जा रहा है। इन सभी कला माध्यमों के सैद्धान्तिक पक्ष पर विचार-विमर्श हेतु साहित्य एवं समाज के प्रबुद्ध शिक्षाविद्, आचार्य, सह-आचार्य देश के विभिन्न भागों से हमारे मध्य उपस्थित रहेंगे। साथ ही व्यावहारिक अनुभवों को हमारे मध्य साझा करने सिनेमा जगत् एवं अन्य माध्यमों से कई अभिनेता, अभिनेत्री, निर्देशक, पटकथा, लेखक, गीतकार, संगीतकार, कैमरामेन आदि भी विभिन्न सत्रों में हमारे साथ रहेंगे।

नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक कौशल संवर्धन हेतु इस प्रकार के सेमिनार आधुनिक युग की महती आवश्यकता है। इसमें आप सभी सादर आमंत्रित है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विमर्श बिन्दु

- हिन्दी साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध
- समाज और सिनेमा का अंतसंबंध
- साहित्य आधारित सिनेमा
- हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष
- धार्मिक सिनेमा तथा अन्य माध्यम
- मनोरंजन सिनेमा तथा अन्य माध्यम
- सामाजिक समस्याओं पर केन्द्रित सिनेमा
- बाल मनोविज्ञान पर केन्द्रित सिनेमा
- विज्ञान पर केन्द्रित सिनेमा, वेब सीरीज तथा धारावाहिक
- सिनेमा तथा अन्य माध्यमों में व्यक्तनारी की भूमिका
- विज्ञापनों में नारी
- सस्पेंस आधारित सिनेमा तथा अन्य माध्यम
- सिनेमा तथा अन्य माध्यमों में बदलती स्त्री की छवि
- प्रिंट मीडिया और सिनेमा तथा वेब सीरिज
- विज्ञापन और बाल मनोविज्ञान
- क्षेत्रीय सिनेमा
- दक्षिण भारतीय सिनेमा का हिंदी सिनेमा पर प्रभाव
- हिन्दी सिनेमा पर अन्य भाषायी सिनेमा का प्रभाव
- सिनेमा में गीत-संगीत की भूमिका एवं प्रभाव
- सिनेमा तथा वेब सीरीज और मनोविज्ञान
- फिल्म तथा वेब फिल्मों की समीक्षा
- कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी
- हिन्दी सिनेमा: उद्भव और विकास
- वेब सीरीज, सिनेमा आदि में कैमरे की भूमिका
- नयी तकनीक और सिनेमा तथा अन्य माध्यम
- कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धतिकी
- पटकथा तथा संवाद लेखन
- फिल्म, टी.वी. धारावाहिक, वेब सीरीज, शॉर्ट मूवीज की कहानी एवं
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा एवं संवाद लेखन
- फिल्मों तथा वेब माध्यमों में प्रयुक्त गीत-संगीत
- लोक कथाओं एवं लोकगीतों पर आधारित सिनेमा एवं अन्य माध्यम
- फिल्म समारोह में पुरस्कृत फिल्मों की समीक्षा
- संगोष्ठी से संबंधित अन्य विषय

आप से अपेक्षा की जाती है कि आलेख या शोध-पत्र संगोष्ठी के विमर्श बिंदुओं से संबंधित या संदर्भित होने चाहिए। शोध-पत्र दिनांक 15 सितम्बर 2023 तक rashtrivasangosthi2023@gmail-com ई-मेल पर प्रेषित करें। नियत तिथि तक प्राप्त स्तरीय शोध आलेखों को ही पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा।

पंजीयन

पंजीकरण शुल्क शिक्षक 1500/-, शोधार्थी 1000/-, अन्य 1000/-
पंजीयन शुल्क विभाग में नकद जमा करवाया जा सकता है अथवा Rashtriya Sangosthi Hindi Department, MLSU, Udaipur, Raj के खाते में सीधे ICICI Bank, University Campus Branch, New Campus, Near MLSU Entrance Gate, Ganesh Nagar, Udaipur-313001 Rajasthan के खाता संख्या 694201701741, IFSC Code ICIC0006942, MICR 313229007 में भी जमा कराया जा सकता है।

- सभी प्रतिभागियों को गूगल फॉर्म के माध्यम से अपना ऑनलाईन पंजीयन करवाना अनिवार्य है।
- ऑनलाईन पंजीयन के दौरान पंजीयन शुल्क की रसीद अपलोड करना अनिवार्य है।
- जो प्रतिभागी अपनी राशि विभाग में नकद जमा करवाएँगे, उन्हें भी ऑनलाईन पंजीयन करवाना होगा और उन्हें अपनी पंजीयन रसीद की प्रति भी अपलोड करनी होगी।

अन्य जानकारियाँ

1. आलेख कृतिदेव-010, फॉन्ट साइज 14 या मंगल यूनिकोड फॉन्ट साइज 12 में एवं Time New Roman Font फॉन्ट साइज 12 में टंकित होने चाहिए।
2. आलेख MS Word में प्रेषित करें।
3. आलेख भेजने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2023 है।
4. आलेख Email:rashtriyasangosthi2023@gmail.com पर प्रेषित करें। नियत तिथि तक प्राप्त स्तरीय शोध आलेखों को ही पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा।
4. चयनित शोध पत्रों को संपादित पुस्तक ISBN में प्रकाशित किया जाएगा।
5. संभागियों को किसी प्रकार का भत्ता देय नहीं होगा।
6. संयुक्त शोध पत्र होने पर सभी लेखकों को पृथक-2 पंजीयन कराना होगा।
7. संगोष्ठी दिवस पर आपके भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जायेगी।
8. संभागियों को आवास व्यवस्था अपने स्वंय के स्तर पर करनी होगी।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय :-

उदयपुर में सुखाडिया विश्वविद्यालय (तत्कालीन उदयपुर यूनिवर्सिटी) दक्षिणी राजस्थान में उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 1962 में एक अधिनियम द्वारा स्थापित एक राज्यीय विश्वविद्यालय है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री मोहनलाल सुखाड़िया की स्मृति में सन् 1982 में इस विश्वविद्यालय का नामकरण मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय किया गया। यह विश्वविद्यालय बड़े पैमाने पर आदिवासी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले दक्षिणी राजस्थान में स्थित है। अपनी स्थापना से ही यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। उच्च नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच पैदा करने और उच्च शिक्षा के उभरते हुए क्षेत्रों के साथ तालमेल रखने की दिशा में भी विश्वविद्यालय संकल्पवान है। यह विश्वविद्यालय सूचना प्रोद्यौगिकी का शिक्षा, शोध व प्रशासनिक स्तर पर अधिकतम उपयोग करने में अग्रणी है, साथ ही भौतिक आधारभूत सुविधाओं एवं ई-पुस्तकालयों की दृष्टि से भी समृद्ध है।

उदयपुर दक्षिणी राजस्थान का ऐतिहासिक नगर है। यह नगर अपने भव्य सांस्कृतिक अतीत, ऐतिहासिक इमारतों और झीलों के लिए विख्यात है। चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, हल्दीघाटी और नाथद्वारा आदि कई पर्यटन स्थल उदयपुर के पास स्थित है। उदयपुर हवाई और रेल यातायात से जुड़ा हुआ है।

आयोजक मण्डल

संरक्षक

प्रो. सुनीता मिश्रा
माननीय कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रो.सी.आर. सुथार
अधिष्ठाता
वि.वि.सा.वि. एवं महाविद्यालय, उदयपुर
मो.ला.सु.वि. उदयपुर

आयोजन सचिव

डॉ. नीता त्रिवेदी
सहायक आचार्य
हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि., उदयपुर
मो. : 9950960999

सह-संयोजक

डॉ. नीतू परिहार
विभागाध्यक्ष एवं सह-आचार्य
हिंदी विभाग, मो ला.सु.वि., उदयपुर
मो. : 9413864055

डॉ. नवीन नंदवाना
सह-आचार्य
हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि., उदयपुर
मो. : 9828351618

डॉ. आशीष सिसोदिया
सह-आचार्य
हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि., उदयपुर
मो. : 9414851055

SONY
liv
Disney+
prime video
ZEE5
amazon
R.K. Narayan
The Guide
Sahib Bibi Aur Ghulam
chetan bhagat
FIVE POINT SOMEONE
गोदान
सद्गति
Teesri Kasam

Sponsors

Supported by

WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

Knowledge partner

RIFF FILM CLUB
A platform for film lovers
Presents

riff
Rajasthan International Film Festival
(Accredited by FFSI)